IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की सामाजिक चुनौतियां (सीधी जिले के विशेष सन्दर्भ में)

Dr. Madhulika Shrivastava[1] and Preeti Satnami[2]
Professor, Department of Sociology[1]
Research Scholar, Department of Sociology[2]
Government Thakur Ranmat Singh College, Rewa, Madhya Pradesh, India

सारांशः

समाज और राष्ट्र के स्वरूप एवं संतुलित विकास में महिलाओं की भूमिका एवं उसकी उपयोगिता को नकारा नहीं जा सकता मां की भी भूमिका में एक महिला जिस प्रकार अपने बच्चे के व्यक्तित्व एवं चरित्र को जिस रूप में ढालती है जैसा आकार प्रदान करती है वैसा ही राष्ट्र के चरित्र का निर्माण होता है महिलाएं लगभग 50 करोड़ जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती हैं जो कि किसी भी समाज बहुमूल्य अंग मानी जाती हैं कोई समाज महिलाओं में विद्यमान संभावनाओं को अनदेखा कर अपने विकास का लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है सामाजिक प्राणी होने के नाते वह सामाजिक संबंधों की स्थापना हेतु व्यक्ति को अन्य व्यक्तियों से संपर्क करना होता है तथा साथ ही वह अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए समूह के अन्य व्यक्तियों से संपर्क करना होता है तथा साथ ही वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समूह के अन्य व्यक्तियों से क्रियाएं तथा अन्य क्रियाएं करता है इन सब के बावजूद भी इसे कुछ अभाव बना ही रहता है जिनसे विभिन्न समस्याएं जीवन में उभर कर सामने आती हैं

मुख्य शब्दः जनजातीय महिलाएं, समाज, जीवन

सन्दर्भग्रन्थ सूची

1. हसनैन एन. जनजातीय भारत
2. उप्रेती हरिश्चन्द्र भारत की जनजातीय संरचना एवं विकास
3. चन्दना आर.सी. जनसंख्या भूगोल
4. मुखर्जी आर. एम. भारतीय समाज एवं संस्कृति
5. अटल योगेश आदिवासी भारत
6. यादव माकडेय सिंह आदिवासी समुदाय में स्वास्थ्य कुछ पछ

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

7. चौधरी वी. डी. ट्राइवल डेव्लेपमेंट इन इण्डिया
8. दुबे एस.सी. ट्राइवल हेरिटेज ऑफ इण्डिया
9. एल्विन बी (1939) द बैगा जॉन मुर्रे लन्दन।
10. बघेल डी. एस. (1990) भारतीय सामाजिक समस्याऐं, पुष्पराज प्रकशन रीवा।
11. तिवारी शिव कुमार (1998) म.प्र. के आदिवासी म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
12. उव्रेती एज.सी. (1970) भारतीय जनजातियां ओरिएंटल प्रकाशन।
13. पटेल जी. पी. (1991) बैगा जनजाति का मानवशास्त्रीय अध्ययन।
14. डेविस किंग्सले (1973) मानव समाज किताब महल इलाहाबाद।
15. ग्रीन ए. डब्ल्यू. सोसियोलॉजी।

पत्रिकायें

1. पहरूआ पहल
2. प्रोग्राम इन इक्शन सीरीज
3. रोजगार गारंटी योजना
4. गाँव की ओर

संस्करण

1. लोकेश श्रीवास्तव (जनजातीय स्वास्थ्य) युनवर्सिटी पब्लीकेशन 22/4735, प्रकाशदीप बिल्डिंग असोटी रोड दरियागंज नई दिल्ली 110002 संस्करण 2010
2. सविन्द्र सिंह (पर्यावरण भुगोल) प्रकाशक : प्रयाग पुस्तक भवन 20ए युनिवर्सिटी रोड इलाहाबाद 211002 दुरभाषः (0532) 2461505, 2460028 (कार्यालय) 2501745 आवास मो. 9415239914 संस्करणः 2008, 2009
3. डॉ. दास शिवतोष 1980 भारत की जनजातियाँ किताब घर नई दिल्ली
4. डॉ. सिंह एम.पी. 1998 म.प्र. की जनजातियों पर विकाश योजनाओं का प्रभाव काशी विद्यापीठ वाराणसी
5. डॉ. शर्मा ब्रम्हदेव 1986 आदिवासी विकाश एक सैद्धांतिक विवेचना म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल